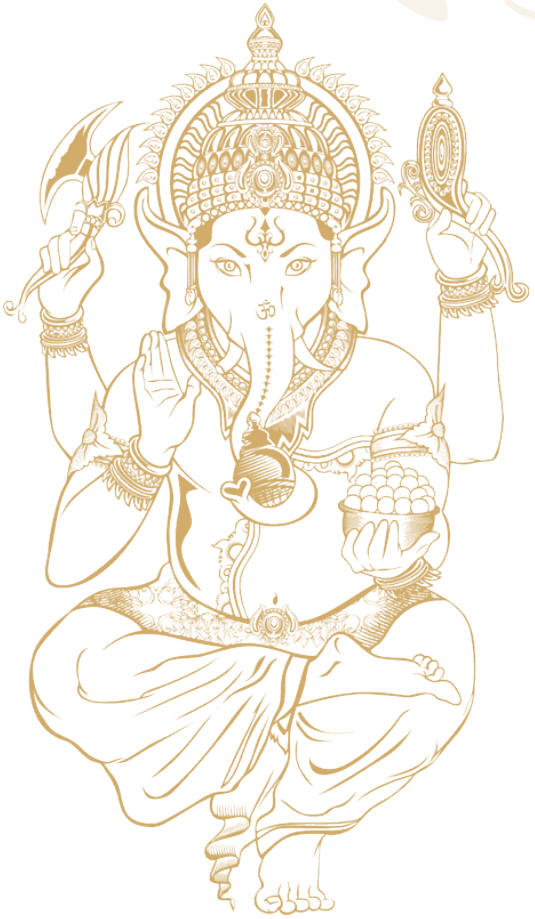

Mr.madhubhua

14 Dec 1965

12:30 AM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121155908

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**13-14/12/1965**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**00:30:00 घंटे**
इष्ट	43:32:09 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:06:20 घंटे
वेलान्तर	00:05:53 घंटे
साम्पातिक काल	05:35:20 घंटे
सूर्योदय	07:05:08 घंटे
सूर्यास्त	17:30:23 घंटे
दिनमान	10:25:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	28:11:43 वृश्चिक
लग्न के अंश	01:08:25 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	विष्कुम्भ
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	01:08:25	320:41:05	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	28:11:43	01:01:01	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	06:52:06	14:22:54	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			धनु	29:15:03	00:46:41	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	09:29:59	00:09:08	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	03:29:17	00:08:06	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मक	11:32:43	00:41:17	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
शनि			कुंभ	17:52:36	00:03:03	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृष	11:12:11	00:01:29	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	11:12:11	00:01:29	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			सिंह	26:11:41	00:00:39	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	---
नेप			तुला	27:29:39	00:02:00	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			सिंह	25:04:43	00:00:15	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			मिथु	00:57:36	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:22:38

लग्न-चलित

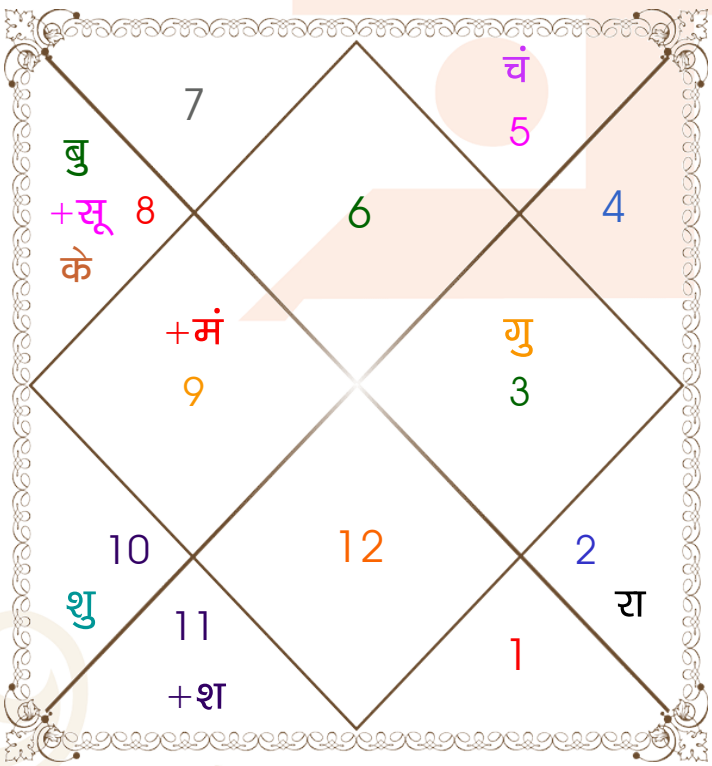

चन्द्र कुंडली

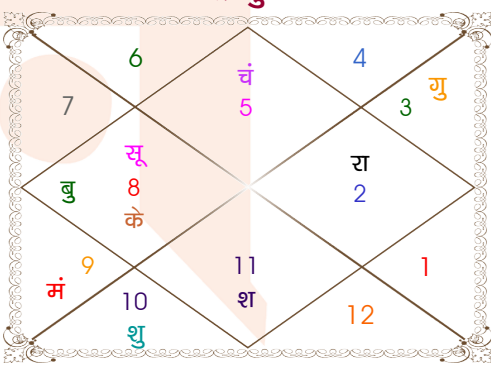

नवमांश कुंडली

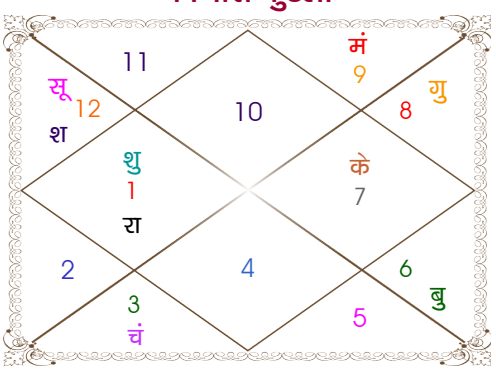

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 4 मास 22 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
14/12/1965		06/05/1969		06/05/1989		07/05/1995		06/05/2005	
06/05/1969		06/05/1989		07/05/1995		06/05/2005		06/05/2012	
	00/00/0000	शुक्र	05/09/1972	सूर्य	24/08/1989	चंद्र	06/03/1996	मंगल	02/10/2005
	00/00/0000	सूर्य	05/09/1973	चंद्र	22/02/1990	मंगल	05/10/1996	राहु	21/10/2006
	00/00/0000	चंद्र	07/05/1975	मंगल	30/06/1990	राहु	06/04/1998	गुरु	27/09/2007
	00/00/0000	मंगल	06/07/1976	राहु	25/05/1991	गुरु	06/08/1999	शनि	05/11/2008
	14/12/1965	राहु	07/07/1979	गुरु	12/03/1992	शनि	06/03/2001	बुध	02/11/2009
राहु	24/04/1966	गुरु	07/03/1982	शनि	22/02/1993	बुध	06/08/2002	केतु	31/03/2010
गुरु	31/03/1967	शनि	06/05/1985	बुध	30/12/1993	केतु	07/03/2003	शुक्र	31/05/2011
शनि	09/05/1968	बुध	06/03/1988	केतु	06/05/1994	शुक्र	05/11/2004	सूर्य	06/10/2011
बुध	06/05/1969	केतु	06/05/1989	शुक्र	07/05/1995	सूर्य	06/05/2005	चंद्र	06/05/2012

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/05/2012		06/05/2030		06/05/2046		06/05/2065		06/05/2082	
06/05/2030		06/05/2046		06/05/2065		06/05/2082		00/00/0000	
राहु	17/01/2015	गुरु	24/06/2032	शनि	09/05/2049	बुध	03/10/2067	केतु	03/10/2082
गुरु	12/06/2017	शनि	05/01/2035	बुध	17/01/2052	केतु	29/09/2068	शुक्र	03/12/2083
शनि	18/04/2020	बुध	12/04/2037	केतु	25/02/2053	शुक्र	31/07/2071	सूर्य	09/04/2084
बुध	05/11/2022	केतु	19/03/2038	शुक्र	27/04/2056	सूर्य	05/06/2072	चंद्र	08/11/2084
केतु	24/11/2023	शुक्र	17/11/2040	सूर्य	09/04/2057	चंद्र	05/11/2073	मंगल	06/04/2085
शुक्र	23/11/2026	सूर्य	05/09/2041	चंद्र	08/11/2058	मंगल	02/11/2074	राहु	14/12/2085
सूर्य	18/10/2027	चंद्र	05/01/2043	मंगल	18/12/2059	राहु	21/05/2077		00/00/0000
चंद्र	18/04/2029	मंगल	12/12/2043	राहु	24/10/2062	गुरु	27/08/2079		00/00/0000
मंगल	06/05/2030	राहु	06/05/2046	गुरु	06/05/2065	शनि	06/05/2082		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 4 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करती कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहती हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करती है कि आपकी छोटी सी महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुकी हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगी और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगी। आप अस्थिर बुद्धि की महिला हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगी। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधी लम्बे आकृति की तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहती हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति की अंहकार से युक्त प्राणी है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होती हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि की महिला हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करती हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखती हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाती हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेती हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकती हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकती हैं। यदि आपमें

कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर की नेता हो सकती हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकती है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।